कागज़ की नईया मेरी | By Sunil Sarvottam

नैया मेरी कागज़ की कैसे उतरे पार भला
बन के खिवैया सांवरे नैया मेरी पार लगा

मेरी नाव है टूटी फूटी
मेरी किस्मत है मुझसे रूठी
मुझको अपनों ने डुबोया है
अब तू ही बेडा पार लगा

मुझको भी बाबा अपना ले
मेरी और परीक्षा अब ना ले
मैं सेवक बनकर आया हूँ
मुझको भी अपनी शरण लगा

सुनलो विनती आज मेरी
तेरे हाथों में है लाज मेरी
तेरा सेवक एक सुनील भी है
कहता है एक अरदास लगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-sunil-sarvottam/